रात्रीक्लास 20.2.68 ओम्शान्ति शिव बाबा याद है?

बहुत करके कहते हैं ईश्वर को भावी। ऐसा कोई नहीं होगा जो कहे ड्रामा की भावी। बनी–बनाई इसको भी भावी कहेंगे। वह बनी–बनाई ईश्वर को कहेंगे। अभी यह ड्रामा किसका बना हुआ है? ऐसे नहीं कह सकते ईश्वर का बनाया हुआ है। प्रश्न उठेगा कि कब बनाया? ड्रामा बना हुआ है। इसको कहते हैं अनादि। ऐसे नहीं ईश्वर ने अनादि ड्रामा बनाया। ईश्वर ने बनाया तो पूछेंगे कैसे बनाया? कहते हैं बनी बनाई है तो ड्रामा ठहरा। ज्ञान को समझने से फिर कोई प्रश्न पूछे तो समझाना पड़ता है। जो प्रश्न का उतर नहीं दे सकते हैं, तो कहना चाहिए अजन इस प्वाइन्ट पर समझाया नहीं है। तुम्हारा इनमें क्या फायदा? मुख्य फायदे की बात है मनमनाभव। आत्मा को प्योर बनाना है यह हैं मुख्य बात। बाकी प्रश्न का उत्तर नही दे सकते हैं तो टाईम है। बाप कहते हैं ना आज तुमको गुह्य बाते सुनाता हूँ। मुख्य बात है पावन बनने की। जिसके लिए ही पुकारते है पतित–पावन सीता राम। और कोई बात समझ में न आती है यह जरूर समझ में आती है। इसमें संशय की बात नहीं। तो पहले यह बुद्धि में बिठाना चाहिए। सभी कहते हैं हे पतित–पावन आओ। मूल इनसे काम है। बाकी कुछ पूछे बोलो यह ड्रामा बना हुआ है। इस समझ यहां तक ही समझाया है। बाबा ने कहा है यह प्रश्न ब(ता)ओ जो मनुष्य आपे ही पूछें, आपे ही समझें हम नर्कवासी हैं या हम स्वर्गवासी हैं? पतित हैं या पावन है? युक्तियां निकालनी होनी हैं। मनुष्य कैसे फील करे जो पकड़ा जाये। ट्रेन में भी यह दे सकते हैं। प्रश्न पूछने वाले जानते हैं तब तो पूछते हैं। तुम हो सब टीचर्स। रास्ता बताने वाले पण्डे भी हो। तुम अपन को ब्राह्मण कहेंगे तभी भी समझेंगे थोड़े ही। समझते थोड़े ही हैं ब्रह्माकुमारियां ब्रह्मा के हैं। तुम न काले हो, न गोरे हो। न चीनी हो, न जापानी हो। तुम जैसे कि नये हो इस भारत पर। तुम इस दुनिया के आदि, मध्य, अन्त को जानते हो। तुमको कोई नही जानते हैं। ब्राह्मण तो ढेर हैं। तुम्हारे चित्र ही ऐसे हैं जो कब किसकी बुद्धि में बैठ न सके। जब कोई भी आवे तो पूछो तुम इस 84 के चक्कर को जानते हो? पूछते हैं तो जरूर जानते होंगे ना। बच्चे समझते हैं बड़ी भारी समुद्र के बीच में हो। इन सभी बातो को तुम अभी संगमयुग पर ही समझते हो। यह संगम युग है। सतयुग में नालेज की दरकार नहीं रहती है। सत्य नर से नारायण बनने की अभी तुम सच्ची गाती(गीता) सुना रहे हो। प्वाइन्ट तो बहुत अच्छी है। नर जो नारायण सतोप्रधान था वह पुनर्जन्म लेते–2 तमोप्रधान बन गये हैं। सतोप्रधान को गोरा, तमोप्रधान को सांवारा(सांवरा) कहेंगे। यह सब को ..... पड़ना चाहिए। ऐसी–2 सहज बातें छपाना ठीक है। अभी तुम जानते हो हम यह बनने वाले हैं।मंदिर में भी जाकर युक्ति से समझाना पड़े यह स्वर्गवासी हैं या नर्कवासी हैं? पुनर्जन्म तो जरूर लेना पड़े । अभी कलियुग का अंत है। सभी पतित हैं। कितना क्लीयर है। अच्छा, बच्चों को माता–पिता बापदादा का याद प्यार गुडनाईट। नमस्ते।